CHAPTER 14, वे आँखें

PAGE 149, प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ

11:1:14:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:13

1. अंधकार की गुहा सरीखी
उन आँखों से डरता है मन।

(क) आमतौर पर हमें डर किन बातों से लगता है?

(ख) उन आँखों से किसकी ओर संकेत किया गया है?

(ग) कवि को उन आँखों से डर क्यों लगता है?

(घ) डरते हुए भी कवि ने उस किसान की आँखों की पीड़ा का वर्णन क्यों किया है?

(ङ) यदि कवि इन आँखों से नहीं डरता क्या तब भी वह कविता लिखता?

उत्तर :

क. आमतौर पर हम अंधेरे, मृत्यु, वित्तीय हानि, मार, अपमान आदि से डरते हैं।

ख. "उन आँखें" हताश और बर्बाद किसान की आँखों को दर्शाती हैं जो उदास, हताश और उदासीन हैं और जिनका सब कुछ नष्ट हो चुका है।

ग.कवि को किसान की आँखों के असीम दर्द से डर लगता है। वे आँखें करुणा, पीड़ा और विनम्रता से भरी हुयी हैं। भय और शून्यता है जिनका सामनाकरना कवि के नियंत्रण में नहीं है और इसीलिए वह उन आंखों से डरता है।

घ.कवि किसान की आँखों से डरता है, लेकिन फिर भी उसका वर्णन करता है, क्योंकि वह समाज को किसानो की पीड़ाओं और समाज के उपेक्षापूर्ण रवैये के बारे में बताना चाहता है।

ङ. यदि कवि इन आंखों से नहीं डरता, तो वह कविता नहीं लिख पाता क्योंकि उसे किसान के दर्द का एहसास नहीं होता। बिना एहसास के कवि कुछ भी नहीं लिख पाएगा।

11:1:14:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ: 2

2. कविता में किसान की पीड़ा के लिए किन्हें ज़िम्मेदार बताया गया है?

उत्तर : कविता में, जमींदार, महाजन और कोतवाल को किसान की पीड़ा के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। जमींदार ने धोखे और साजिशों का जाल बिछाकर किसान को उसकी ही ज़मीन से बेदखल कर दिया, साथ ही उसके कारिंदों ने किसान के छोटे बेटे को मार दिया।

दूसरी ओर महाजन ने अपने मूलधन और ब्याज की वसूली के लिए अपने घर पर किसान के बैल और गाय की नीलामी करवा दी। आर्थिक अभाव के कारण किसान की पत्नी की मृत्यु इलाज के अभाव में हो गई। कोतवाल ने उसकी पुत्रवधु के साथ दुष्कर्म किया। जिसकी पीड़ा और लज्जा के कारण किसान की पुत्रवधु ने आत्महत्या कर लिया। किसान के साथ इतना अत्याचार होता रहा और ये तथाकथित समाज देखता रहा। इस तथाकथित समाज का कर्तव्य लोगो की सुरक्षा है परन्तु यह समाज किसान के ऊपर होने वाले अत्याचार को मूक दर्शक बनकर देखता रहा।

11:1:14:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:3

3. पिछले सुख की स्मृति आँखों में क्षण भर एक चमक है लाती

-

इसमें किसान के किन पिछले सुखों की ओर संकेत किया गया है?

उत्तर: प्रस्तुत पंक्ति में किसान के जिन पिछले सुखों की ओर संकेत किया गया है वे ये हैं कि:
किसान इससे पहले हर प्रकार से काफी खुश था। पहली बात यह थी कि वह स्वतंत्र था। फसल तथा खेत दोनों उसके अपने थे। दुधारू गाय और एक जोड़ी मजबूत बैल थे। उसकी एक स्वस्थ पत्नी के साथ एक युवा बेटा, बहू और एक बेटी थी। इस प्रकार किसान एक खुशहाल और समृद्ध किसान था, जो सभी तरीकों से पूरी तरह से संतुष्ट था। खुशहाल परिवार की स्मृतियाँ उसकी आँखों में चमक ला देती थी।

11:1:14:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:4

(क) संदर्भ सहित आशय स्पष्ट करें -

उजरी उसके सिवा किसे कब
पास दुहाने आने देती?

(ख) **घर में विधवा रही पतोहू**

लछमी थी, यद्यपि पति घातिन,

(ग) **पिछले सुख की स्मृति आँखों में**

क्षण भर एक चमक है लाती,

तुरत शून्य में गड़ वह चितवन

तीखी नोक सदृश बन जाती।

उत्तर :

(क) **सन्दर्भ** - प्रस्तुत पंक्तियाँ पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-1 में संकलित कविता "वे आँखें" से उद्धृत हैं जिसके रचयिता सुमित्रानंदनपन्त हैं। इन पंक्तियों में महाजनी अत्याचार से पीड़ित किसान की "उजरी गाय" की दुर्दशा का वर्णन किया गया है।

आशय : कवि कहते है कि किसान को अपनी गाय से विशेष स्नेह था। उजरी भी उससे अत्यधिक स्नेह रखती थी। वह उसके अलावा किसी और से दूध नहीं दुहती थी। नीलामी के बाद उसने दूध देना बंद कर दिया।

(ख) **सन्दर्भ** - प्रस्तुत पंक्तियाँ पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-1

में संकलित कविता “वे आँखें” से उद्धृत हैं जिसके रचयिता सुमित्रानंदनपन्त हैं। इन पंक्तियों में किसान के बेटे की मृत्यु का दोषी उसकी पुत्रवधू को ठहराया गया है। यह महिला पर अत्याचार की पराकाष्ठा है।

आशय : किसान के घर में केवल विधवा बहू ही बची थी। जिसका नाम लक्ष्मी था लेकिन उसे पति-घातिन कहा जाता था यानी पति का हत्या करने वाली। यह विधवा के प्रति समाज में प्रचलित नकारात्मक दृष्टिकोण है। निर्दोष होने के बावजूद एक विधवा महिला के प्रति सहानुभूति होने के स्थान पर उसे ही अपने पति की मौत का कारण बताया जाता है।

(ग) **सन्दर्भ** - प्रस्तुत पंक्तियाँ पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-1 में संकलित कविता “वे आँखें” से उद्धृत हैं जिसके रचयिता सुमित्रानंदनपन्त हैं। इन पंक्तियों में कवि भारतीय किसानों के भयानक शोषण और उनकी दुर्दशा का वर्णन करता है।

आशय :कवि कहते हैं कि जब किसान अपने पिछले खुशहाल दिनों को याद करता है, तो उसकी आंखें एक पल के लिए खुशी से चमक उठती हैं। लेकिन अगले ही पल

जब वह वर्तमान की सच्चाई के बारे में सोचता है, तो उसके सारे विचार शुन्य हो जाते है। उसकी टकटकी वाली नज़र चुभने लगती है।

11:1:14:प्रश्न - अभ्यास - कविताकेसाथ:5

5. "घर में विधवा रही पतोहू ....../ खैर पैर की जूती, जोरू/एक न सही दूजी आती" इन पंक्तियों को ध्यान में रखते हुए 'वर्तमान समाज और स्त्री' विषय पर एक लेख लिखें।

उत्तर: प्रस्तुत कविता में स्त्री की दयनीय स्थिति का वर्णन किया गया है। विधवा महिला के साथ सहानुभूति रखने के स्थान पर उसे अपने पति का हत्यारा घोषित किया जाता है। कोतवाल उसे बिना किसी कारण के धमकी देता रहता है और उसके साथ दुष्कर्म करने से नहीं चूकता। इसी पीड़ा के कारण वह आत्महत्या करने पर मजबूर हो जाती है।

वर्तमान युग की बात करें तो स्त्रियों की स्थिति पहले से बेहतर है। अब वह पहले जैसी नहीं रह गई है। अब उसके पास भी

पुरुषों के समान अधिकार हैं और समाज अब उसे एक नए और उन्नत दृष्टिकोण से देखता है। उसके पास पुरुषों के समान अवसर हैं। स्त्रियों सभी क्षेत्रों में अपना परचम लहराया और अपना लोहा मनवाया है। पूरे विश्व में महिला सशक्तिकरण अपने चरम पर है। महिलाओं ने राष्ट्रपति और प्रधान मंत्री जैसे सर्वोच्च पदों पर भी अपनी स्थिति साबित की है और अपने-अपने पदों की भूमिका और गरिमा निभाई है। आज शिक्षा, खेल, साहित्य, कला, विज्ञान, चिकित्सा, शासन कार्य जैसे क्षेत्रों में अपना परचम लहराया है। इसके अलावा वह एक सैनिक बनकर देश की रक्षा करने के लिए भी आगे आयी है। स्त्रियां अब अबला नहीं है अपितु अपराजिता है।

PAGE 150, प्रश्न - अभ्यास - कविताकेआसपास

11:1:14:प्रश्न - अभ्यास - कविताकेआसपास:1

6. किसान अपने व्यवसाय से पलायन कर रहे हैं इस विषय पर परिचर्चा आयोजित करें तथा कारणों की भी पड़ताल करें।

उत्तर: किसान अपने व्यवसाय से पलायन कर रहे हैं,इस विषय पर निम्न मुद्दों के आधार पर परिचर्चा कर सकते हैं-

1. व्यावसायिक दृष्टिकोण से खेती लाभ-प्रद नहीं रह गई है।
2. आज की युवा-पीढ़ी खेती से दूर भागती है,एक तो इतना परिश्रम करना उनके वश का नहीं,दूसरा शहर की चकाचौंध और थोड़ी शिक्षा ने उनका दिमाग ही बदल दिया है।
3. पिछले कई सालों से सरकार का रवैया कृषि के प्रति उदासीन ही रहा है।
4. अनाज की बिक्री की समुचित व्यवस्था का अभाव।

कृषि व्यवसाय से पलायन के निम्नलिखित कारण हैं:

1. व्यय के अनुपात में आय का कम होना।
2. घोर परिश्रम के बाद भी उसके अनुरूप सफलता न मिलना।
3. कृषि में जुड़े रहने से समाज में उचित सम्मान ना मिलना।
4. प्रकृति और वर्षा पर निर्भर कृषि और कृषि पर उनकी आजीविका की निर्भरता।
5. नुकसान अथवा फसल न होने की स्थिति में उसकी भरपाई की सुविधा का अभाव इत्यादि ऐसे कई कारण हैं जिसके

कारण लोग कृषि से पलायन कर रहे हैं।